Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the home delivery of Alchol in Delhi during the second wave of COVID-19.

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा (**पश्चिमी दिल्ली**): सर, आपने मुझे दिल्ली की नई ब्लैक एक्साइज पॉलिसी पर बोलने के लिए मौका दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ । मैं आपसे विनती करना चाहता हूँ कि आप मुझे इस विषय पर बोलने के लिए पूरा समय दें ।

भारत देश की राजधानी दिल्ली में, जहां पर पार्लियामेंट है, वहां हम सभी लोग सेशन के समय में रहते हैं । यहां की जनता के साथ एक अन्याय हो रहा है । जब हमने सेकेंड वेव देखी थी और मार्च और जुलाई महीने के बीच में दिल्ली में 25000 लोगों की मौत हुई थी, जब दिल्ली की सरकार उनको ऑक्सीजन नहीं दे पा रही थी, उस समय वह एक नई पॉलिसी बनाने में व्यस्त थी । अभी एक नई एक्साइज पॉलिसी आई है । मैं आपको इसकी डेट बताना चाहता हूँ । आपको हैरानी होगी और पूरे सदन को हैरानी होगी कि जब दिल्ली के और देश के लोग कोविड से मर रहे थे उस समय दिनांक 1 जून, 2021 को दिल्ली के मुख्य मंत्री अनाउंस करते हैं कि दिल्ली के घरों में शराब की होम डिलीवरी की जाएगी और 28 जून को दिल्ली में नई एक्साइज पॉलिसी का टेन्डर फ्लोट होता है और दिल्ली को 35 जोन्स में बाँट दिया जाता है । बड़े-बड़े देश के जो बड़े-बड़े प्लेयर्स हैं, वे दिल्ली में 300-300 करोड़ रुपये का टेन्डर लेते हैं । वर्ष 2012-13 में दिल्ली का एक्साइज रेवेन्यू 3,000 करोड़ रुपये था, वर्ष 2016-17 **में** 5,000 करोड़ रुपये हो गया, वर्ष 2019-20 **में** 6,000 करोड़ रुपये हो गया और अब दिल्ली सरकार का इस एक्साइज पॉलिसी से 10,000 करोड़ रुपये का टारगेट है । जब पूरी दिल्ली कोविड से जूझ रही है तो क्या एक सरकार और दिल्ली का मुख्य मंत्री एक शराब की पॉलिसी बनाने में व्यस्त हो सकता है? क्या दिल्ली का मुख्य मंत्री इसके बारे में सोच सकता है कि इमरजेंसी की स्थिति में दिल्ली में शराब से रेवेन्यू कैसे बढ़े? क्या जो मुख्यमंत्री नशा अपने बच्चों के लिए नहीं सोच सकता है, वह दिल्ली के

बच्चों के लिए सोच सकता है? एक तरफ वे पंजाब में जाकर बोलते हैं कि मैं नशाबन्दी करूंगा और दूसरी तरफ दिल्ली मे नशे को बढ़ाने का काम कर रहे हैं । क्या इससे घरेलू हिंसा नहीं बढ़ेगी? वर्ष 2021 में दिल्ली में घरेलू हिंसा की 2047 घटनाएं हुई थीं । … (व्यवधान)

माननीय सभापति: आप 'ज़ीरो आवर' की मर्यादा का भी ध्यान रखिए ।

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा : सर, मैं आपको इस पॉलिसी के बारे में दो-तीन बिंदु बताना चाहता हूं । एक, बच्चों की उम्र घटाकर 25 वर्ष से 21 वर्ष कर दी गई है अर्थात अब बच्चे बिल्कुल कॉलेज जाते हुए भी शराब पी सकते हैं । दिल्ली में ठेका रात को तीन बजे तक खुलेगा, महिलाओं के लिए 'पिंक बार' खोले जाएंगे और अगर वहां महिलाएं रात में 12 बजे से तीन बजे तक पिएंगीं तो उनको 30 प्रतिशत डिसकाउण्ट मिलेगा । … (व्यवधान)

माननीय सभापति : अब आप समाप्त कीजिए ।

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा : दिल्ली के जो गांव और कॉलोनीज़ हैं, जो नॉन-कन्फर्मिंग ज़ोन्स हैं, जो कॉमर्शियल एरियाज़ नहीं हैं, वहां पर भी ठेके खोले जाएंगे । दिल्ली के मुख्यमंत्री ने वायदा किया था साफ पानी देने का, मगर आज दिल्ली के मुख्यमंत्री दिल्ली की जनता को शराब दे रहे हैं । … (व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री ए. गणेशमूर्ति जी ।

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा : सर, यहां पर अभी भगवंत मान जी नहीं बैठे हैं, वह इस पॉलिसी से बहुत खुश होंगे । मगर दिल्ली की जनता मर रही है, दिल्ली की जनता रो रही है ।…(व्यवधान) दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा था कि मैं दिल्ली में 500 नए स्कूल बनाऊंगा, 50 नए कॉलेज बनाऊंगा । मगर एक भी नया कॉलेज नहीं बना है । … (व्यवधान)

माननीय सभापति : यह 'ज़ीरो ऑवर' है ।

श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा : सर, कृपया मुझे बोलने दीजिए ।**…** (व्यवधान)

माननीय सभापति : यह 'ज़ीरो ऑवर' है । हो गया, आपकी बात आ गई है

… (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Nothing is going on record except the speech of Shri A. Ganeshamurthi.

… (*Interruptions*) *